आज सोचता हूं, जिंदगी को किसी डॉक्टर ने नुस्खे की तरह नहीं लिखा, कि सुबह यह, दोपहर यह, रात में यह। यह तो आसमान में, बहुत ऊंचाई तक उड़नेवाली चिड़िया जैसी है... या पानी के भीतर, बहुत भीतर तक तैरती हुई कोई मछली... जिंदगी की ऊंचाई या गहराई को नापना इतना आसान नहीं...
-रॉबिन शॉ पुष्प

10 दिन पूर्व तो मिला था

अभी दस दिन तो पहले मिला था उनसे। कितने खुश थे वे। हाल ही में उनकी रचनावली प्रकाशित हुई है और इसे वे बार-बार मुझे दिखा रहे थे। लेकिन तब मुझे क्या पता था कि इतनी जल्दी साथ छूट जाएगा। वे एक अच्छे कथाकार तो थे ही बहुत अच्छे फिल्म पटकथा लेखक भी थे। उन्होंने कई लघु फिल्मों की पटकथा लिखी।

बिहार में बहुत कम लोगों ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उनकी तरह का काम किया है। उनके लड़के सुमित आजमंड शॉ ने उनपर एक टेलीफिल्म भी बनाई है। मेरा तो उनसे बहुत पुराना संबंध था। जब वे मुंगेर रहते थे तब से मैं उनके यहां जाता था और वे मेरे यहां आते थे। अब यही समझें कि उनकी पहली कहानी 1957 में प्रकाशित हुई थी और मेरी पहली कविता 1958 में। हमारे संबंध पारिवारिक स्तर के थे। उनकी पत्नी भी बहुत अच्छी लेखिका हैं। वैसे वे मगध महिला कॉलेज में गृह विज्ञान विषय की शिक्षिका हैं।

मुझे पता चला है कि आज ही वे अपना चेकअप कराकर लौटे थे। जब मैं उनसे मिलने गया था तब वे बीमार थे और रह-रह कर भूल जाते थे। इसके बावजूद वे हिन्दुस्तान में प्रकाशित होने वाले मेरे कॉलम को वे याद कर रहे थे।

-रवीन्द्र राजहंस (वरिष्ठ कवि)

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना संख्या-152/2014
यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेल बजट 2014-15 में उद्घोषित गाड़ी संख्या 14612/14611 अमृतसर-गोरखपुर जन साधारण एक्सप्रेस (साप्ताहिक) का संचलन दिनांक 02.11.2014 से अमृतसर से एवं 03.11.2014 से गोरखपुर से दिसम्बर-2014 से प्रभावी समय-सारणी में मुद्रित समय एवं ठहराव के अनुसार किया जायेगा यात्रियों की सुविधा के लिए समय एवं ठहराव पुनः उद्धृत किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 14612 आ.	गाड़ी संख्या 14612 प्र.	स्टेशन	गाड़ी संख्या 14611 आ.	गाड़ी संख्या 14611 प्र.
-	12.35	अमृतसर	06.30	-
13.05	13.07	ब्यास	05.44	05.46
13.45	13.50	जलंधर सिटी	05.00	05.05
14.18	14.20	फगवाड़ा	04.39	04.41
14.55	15.00	लुधियाना	03.50	04.00
16.47	16.55	अम्बाला कैन्ट	02.00	02.10
18.20	18.30	सहारनपुर	00.22	00.30
21.22	21.30	मुरादाबाद	20.55	21.05
22.53	22.58	बरेली	19.12	19.17
00.04	00.06	शाहजहाँपुर	18.16	18.18
02.10	02.20	सीतापुर कैन्ट	16.20	16.28
04.45	05.00	गोण्डा	13.00	13.05
05.30	05.32	मनकापुर	12.32	12.34
06.25	06.30	बस्ती	11.40	11.45
06.58	07.00	खलीलाबाद	11.13	11.15
07.55	-	गोरखपुर	-	10.35

संरचना- साधारण यान-19, एसएलआर/डी-02 = 21 कोच।
संचलन दिवस- अमृतसर से प्रत्येक रविवार, गोरखपुर से प्रत्येक सोमवार।
मुजसंवि/टी-102 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर।
"रेलवे विजिलेन्स ... हेल्पलाइन 0551-155210"

अपने समय की युवा आहटों को सुनते रहे

हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक, कथाकार और उपन्यासकार रॉबिन शॉ पुष्प का अवसान साहित्य की, एक ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। वह उस पीढ़ी के लेखक थे, जिसने साहित्य को मनसा, वाचा कर्मणा जिया। उन्होंने कहानी, उपन्यास, नाटक, रेडियो नाटक, बाल साहित्य, संस्मण से लेकर साहित्य की लगभग तमाम विधाओं में लिखा। वह पूर्णकालिक लेखक थे। उनकी पहली कहानी 1957 में धर्मयुग में छपी। तब से वह अनवरत लिखते रहे। लेकिन आज उनकी यात्रा सदा के लिए थम गई।

रॉबिन शॉ पुष्प जन्म 20 दिसंबर 1934 (मुंगेर) निधन 30 अक्टूबर 2014 (पटना)

हृषीकेश सुलभ

पटना से बाहर हूं। मोतीहारी के पास एक गांव में। कुआं के जगत की मुंड़ेर पर बैठा एक युवा सेमल के कांटेदार तने को एकटक निहार रहा हूं।...सामने कई तरह के वृक्षों का सघन विस्तार है। सूर्य अस्ताचल को जा रहे हैं। कल सांझ असंख्य लोगों ने विदा और आज सुबह ही स्वागत किया है जिनका, वे विदा हो रहे हैं।

अपने परिवार के साथ रॉबिन शॉ पुष्प (फाइल फोटो)

खिन्न, उदास मन जाते सूर्य को निहार रहा हूं। भीतर कुछ टूट रहा है। जलते बांस की तरह चटख रहा है कुछ मेरी आत्मा के अतल में! ...कि अचानक एक मित्र का फोन आता है। ...पुष्पजी नहीं रहे।

बहुत दिनों से उनसे मुलाकात नहीं हुई थी। हां, फोन पर कभी-कभार बातें होती रहीं, पर यह सिलसिला भी इन दिनों बन्द ही था। ...अपने को कोस रहा हूं। स्वार्थी..कृतघ्न! ...आज का काम कल पर टालकर...समय से मुंह चुरा कर जीने की अपनी आदत पर स्यापा कर रहा हूं! ....अचानक उनकी छवि कौंधती है।

अंगुलियों में फंसी सिगरेट, ...मुट्ठी बांध कर लम्बा कश और बेफिक्री के आलम में सिगरेट का धुआं। वे सन् 1976 के दिन थे। प्रेमचंद के बड़े सुपुत्र श्रीपत राय की पत्रिका "कहानी" में मेरी एक छोटी-सी कहानी छपी थी और उनसे आकाशवाणी पटना में मुलाकात हो गई। यह पता चलते कि उस कहानी का लेखक मैं हूं, उन्होंने मेरे कांधे पर अपना हाथ रखा था। उनकी हथेली का वो स्पर्श आज तक जिन्दा है, एक भरोसे की तरह। वे मुझसे मेरे बारे में पूछते रहे थे। हमने साथ चाय पी। वे मुझे दुनिया की श्रेष्ठ कहानियों के बारे में बताते रहे। मैं उन्हें निहारता रहा...उनकी लम्बी जुल्फों को अपनी उत्सुक नजरों से टेरता रहा। उनकी सिगरेट पीने की अदा और आत्मीयता भरी बातों पर मुग्ध होता रहा।

विदा के समय...चलते हुए उन्होंने शायद मात्र एक छोटे से वाक्य में मेरी कहानी की प्रशंसा की और घर आने का निमंत्रण दिया। अगले ही दिन मैं सब्जीबाग स्थित उनके घर पर था। मैं एक लेखक के घर में था, जिसकी कई कहानियां पढ़ चुका था...रेडियों पर जिसके नाटक सुन चुका था, धर्मयुग और सारिका जैसी ख्यात पत्रिकाओं में जिसकी तस्वीरें और कहानियां लगातार देखता-पढ़ता रहता था,....जिसकी आंखों पर चढ़े काले चश्में के भीतर छुपी अनन्त कथाओं की दुनिया मेरे लिए कौतूहल का विषय थी! ....चाय आई। बेहद सुघड़ ढंग से व्यवस्थित कमरे में बैठे थे हमदोनों। मेरी हर उत्सुकता के प्रति सम्मान-भाव और मेरी हर जिज्ञासा के लिए आत्मीय लहजे में समाधान।

वह जो थोड़ी देर पहले मेरी आत्मा के अतल में जो चटख रहा था, अब भी चटख रहा है।...यादों की कौंध के साथ। ...अमली के प्रकाशित होते ही एक पोस्टकार्ड, जिसमें आशीष और शुभकामनाएँ और जल्दी मिलने का निमंत्रण था, मिला। ...मैं पहुँचा। मैंने कहा, मैं आपकी तरह आत्मीय कथाएँ लिखना चाहता हूँ। उन्होंने कहा, अपनी तरह लिखो।... वे पाठकों के सहचर बने रहे। उन्होंने कभी आलोचना की दुरभिसंधियों की चिन्ता नहीं की और न ही उसका मुखापेक्षी बने।

....सूरज जा चुका है। क्षितिज की गोद में।... मैं जल्दी से जल्दी उन्हें एक बार फिर से पूरा का पूरा पढ़ना चाहता हूँ। नमन!

मेरे नॉवेल एक चादर मैली सी ने मुझे प्रसिद्ध बना दिया है। आंखिनदेखी की स्क्रिप्ट लिख रहा था कि मेरे आर्ट डायरेक्टर ने बताया कि पटना से रॉबिन शॉ पुष्प आए हैं। उन्होंने डाकबाबू फिल्म की कहानी, पटकथा और गीत भी लिखे हैं। इतना सुनते ही मैं खुद को रोक नहीं सका और रेस्ट हाउस पहुंच गया। वजह बस यही थी कि रॉबिन शॉ की कहानियों से मेरा गहरा रिश्ता रहा।
राजेंद्र सिंह बेदी

रॉबिन शॉ उन गिने-चुने ईसाइयों में हैं, जिन्होंने हिन्दी साहित्य के संसार में भरपूर नाम कमाया। नि:संदेह श्री पुष्प आज हिन्दी के एक प्रतिष्ठित कथाकार हैं-नुकीले अनुभव, खंडों के कुशल शब्द शिल्पी, संवेदनाओं की जटिल ग्रंथियों के अनूठे कथाकार।
फादर कामिल बुल्के

रॉबिन शॉ पुष्प की कहानियां मैंने हिन्दी की श्रेष्ठ पत्रिकाओं में पढ़ी हैं और उनमें देर तक डूबा रहा हूं। उनमें कलात्मक निपुणता के साथ मर्म पर चोट करने की क्षमता है। पात्रों के मानसिक द्वंद्वों का उद्घाटन करने में माहिर हैं। मैं उनसे मिलने उनके घर मुंगेर गया था। वह जिस शालीनता से मेहमानों का सत्कार करते हैं, उसी शालीनता से लिखते भी हैं।
गोपाल दास नीरज

संस्मरण
फणीश्वरनाथ रेणु : सोने की कलमवाला हीरामन

उपन्यास

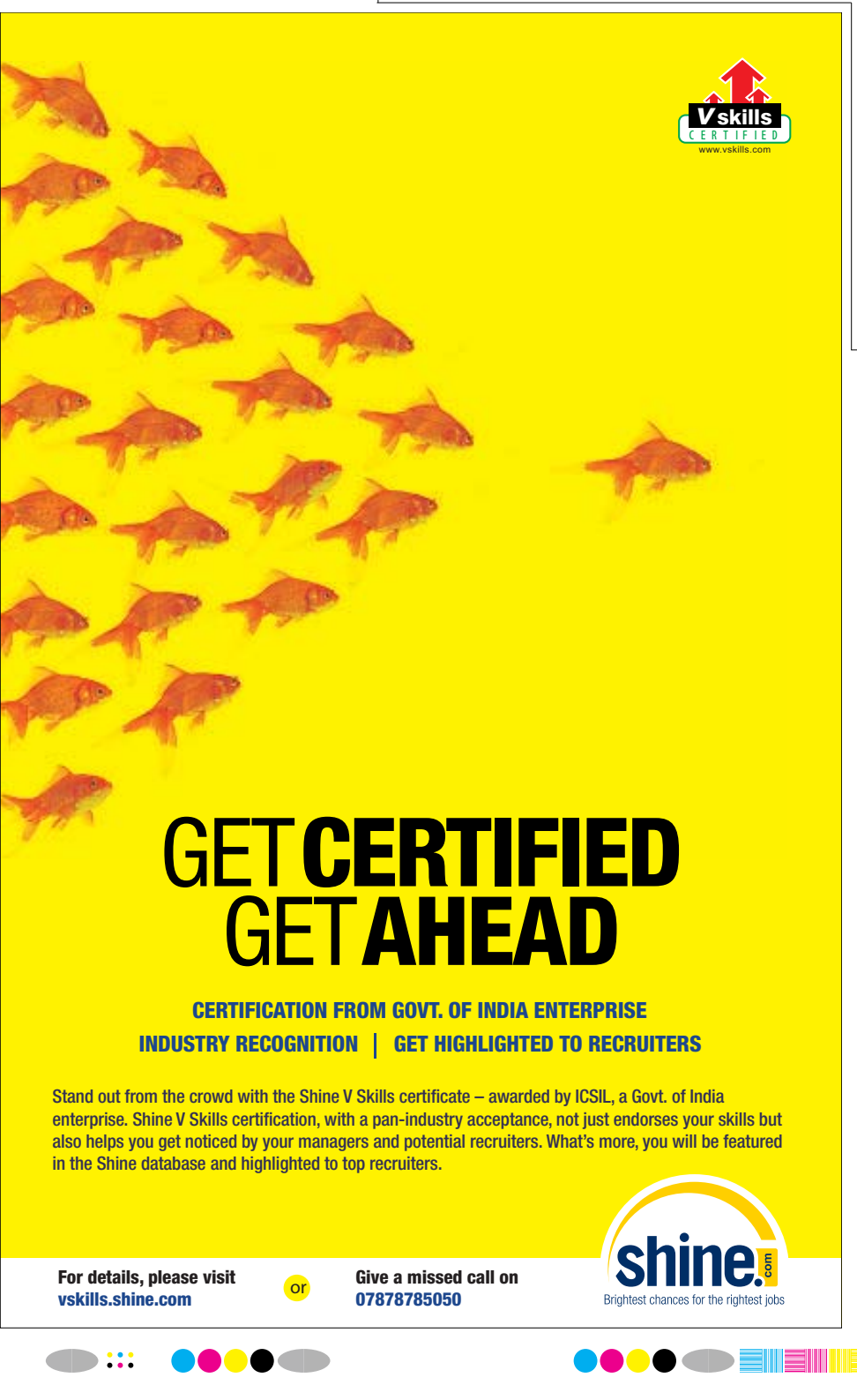

1. अन्याय को क्षमा
2. बंद कमरे का सफर
3. देहयात्रा
4. जागी आंखों का सपना
5. खुशबू बहुत है
6. दुल्हन बाजार
7. गवाह बेगमसराय

कहानी संग्रह

1. दस प्रतिनिधि कहानियां
2. अंधे आकाश का सूरज
3. नंगी खिड़कियों का घर
4. अजनबी होता हुआ मकान
5. आखिरी सांस का किराया
6. अग्निकुंड

सम्मान एवं पुरस्कार

1965
उदीयमान साहित्यिक पुरस्कार, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, बिहार सरकार

1980
कला एवं साहित्यिक सेवा के लिए विशेष सम्मान, मंथन कला परिषद्, खगौल

1986
हिंदी सेवा तथा श्रेष्ठ साहित्यिक सृजन के लिए सारस्वत सम्मान

1987
शिव पूजन सहाय पुरस्कार, राजभाषा विभाग, बिहार सरकार

1994
विशेष साहित्य सेवी सम्मान पुरस्कार, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, बिहार सरकार

1994
बिहार के साहित्यकारों की कृतियों को सम्पादित एवं प्रकाशित करने की दिशा में किये गए कार्यों के लिए ह्ममुरली सम्मान, शब्दांजलि, पटना

मिलों ने उत्पादकता का लक्ष्य तय किया

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

प्रदेश की 23 सहकारी चीनी मिलों में इस बार उत्पादकता और चीनी परता बढ़ाने का मंसूबा बांधा गया है। पेराई के विभिन्न चरणों में कम से कम समय लगे, इस नाते मिलों के समूचे प्रबंधन को चाक चौबंद किया जा रहा है।

हिन्दुस्तान के साथ बातचीत में यूपी सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रबंध निदेशक डा.बी.के.यादव ने बताया कि सहकारी चीनी मिलों की मदद से इस बार उत्पादकता प्रति हेक्टेयर 623 कुन्तल से बढ़ाकर 800 से 900 कुन्तल प्रति हेक्टेयर प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। चीनी परता भी 8.25 से बढ़ाकर 9.26 प्रतिशत प्राप्त करने का मंसूबा बांधा गया है।

सारी बातों से महाप्रबंधकों को अवगत करवाने और शासन की मंशा के अनुरूप पेराई सत्र सम्पन्न करवाने के लिए आगामी पांच नवम्बर को लखनऊ में सभी सहकारी चीनी मिलों के महाप्रबंधकों की अहम् बैठक बुलाई गई

है जिसमें सचिव मुख्यमंत्री के अलावा प्रमुख सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग भी शामिल होंगे। इस साल 750 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई करने का लक्ष्य है।

बुखारी के कार्यक्रम में पहुंचेंगे कई राजनयिक

नई दिल्ली। जामा मसजिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी के बेटे शाबान बुखारी की नायब इमाम के तौर पर दस्तारबंदी का कार्यक्रम एक हफ्ते चलेगा। कार्यक्रम में कई देशों के उच्चायुक्त व राजनीयिक भी हिस्सा लेंगे।

दस्तारबंदी में गृहमंत्री राजनाथ सिंह, मंत्री हर्षवर्धन, शाहनवाज हुसैन व सांसद विजय गोयल को न्योता भेजा गया है। समारोह में आने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उपाध्यक्ष राहुल गांधी, सीएम अखिलेश यादव, सीएम ममता बनर्जी, सीएम हरीश रावत, पूर्व सीएम लालू व नीतीश व सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह को भी आमंत्रित किया गया है। **विसं**

पूर्वोत्तर रेलवे खुली निविदा सूचना सं० N/539/2/OT/14-15/14
मंडल रेल प्रबन्धक (सिग० एवं दूरसंचार)/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये खुली मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सूचना सं० एवं कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बयाना रकम
क्र०-1, N/539/2/OT/14-15/14 वाराणसी मण्डल ...	₹ 2,65,19,450.58	₹ 2,82,600/-

... www.ner.indianrailways.gov.in ... www.tenders.gov.in ...
मंडल रेल प्रबन्धक (सिग० एवं दूरसंचार), वाराणसी
यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना सं० 03/2014 (पे एण्ड यूज़)
... ₹ 1,440/- ₹ 520/- ... ₹ 1,716/- ₹ 520/- ... ₹ 32,100/- ₹ 8,000/- ... ₹ 8,700/- ₹ 3,000/- ... ₹ 77,924/- ₹ 19,000/- ... ₹ 385/- ₹ 520/- ... ₹ 11,450/- ₹ 3,000/- ... ₹ 4,650/- ₹ 2,000/- ... ₹ 6,800/- ₹ 2,000/- ...
www.ner.indianrailways.gov.in ... www.tenders.gov.in ...
मंडल रेल प्रबन्धक / वाणिज्य, लखनऊ
... हेल्पलाइन नं० 0551-155210
यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे खुली निविदा सूचना सं. N/539/2/OT/14-15/13
N/539/2/OT/14-15/13 ...
निविदा प्रपत्र बिक्री की अन्तिम तिथि 02.12.14 को 13.00 बजे तक।
निविदा खुलने की तिथि 03.12.14 को 15.30 बजे तक
... www.ner.indianrailways.gov.in अथवा www.tenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
मण्डल रेल प्रबन्धक (सिग. एवं दू.सं.), वाराणसी।
... 0551-155210

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना संख्या-154/2014
छठ एवं परीक्षा विशेष गाड़ी का संचलन
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों/परीक्षार्थियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु छपरा-लखनऊ जं. के मध्य एक जोड़ी छठ एवं परीक्षा विशेष गाड़ी का संचलन निम्नलिखित दर्शायें गये तिथि, समय एवं ठहराव के अनुसार किया जायेगा -
05105-छपरा से शनिवार को दिनांक -01.11.14 = 01 ट्रिप।
05106-लखनऊ जं. से रविवार को दिनांक -02.11.14 = 01 ट्रिप।

05105 आ.	05105 प्र.	स्टेशन	05106 आ.	05106 प्र.
-	19.15	छपरा	17.05	-
20.10	20.15	सीवान	15.35	15.40
21.00	21.05	भटनी	14.45	14.50
21.25	21.30	देवरिया सदर	14.20	14.25
23.00	23.20	गोरखपुर	13.15	13.30
23.55	23.57	खलीलाबाद	12.14	12.16
00.30	00.35	बस्ती	11.45	11.50
01.55	02.00	गोण्डा	10.15	10.20
03.45	Pass	बाराबंकी	08.36	Pass
05.00	-	लखनऊ जं.	-	07.45

संरचना-साधारण यान-06, शयनयान-05 एसी 3टियर -01 एसएलआर/एसएलआरडी-02 = 14 यान।
मुजसंवि/टी-103 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर।
"रेलवे विजिलेन्स ... हेल्पलाइन 0551-155210"

Printed and distributed by PressReader
PressReader.com +1 604 278 4604
COPYRIGHT AND PROTECTED BY APPLICABLE LAW